



::आयुक्त (अपील्स) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा कर और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क::  
O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE



द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2<sup>nd</sup> Floor, GST Bhavan  
रेस कोर्स रिंग रोड / Race Course Ring Road

राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com

**रजिस्टर्ड डाक ए.डी.द्वारा :-**

क	अपील / फाइलसंख्या/ Appeal /File No.	मूल आदेश सं / O.I.O. No.	दिनांक/ Date
	V2/19/GDM/2019	Refund Order No. 2	19-07-2018

ख अपील आदेश संख्या(Order-In-Appeal No.):

**KCH-EXCUS-000-APP-093-2019**

आदेश का दिनांक /

Date of Order:

22.10.2019

जारी करने की तारीख /

Date of issue:

23.10.2019

श्रीगोपी नाथ, आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /

Passed by Shri. Gopi Nath, Commissioner (Appeals), Rajkot

ग अपर आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर/वस्तु एवंसेवाकर,  
राजकोट / जामनगर / गांधीधाम। द्वारा उपरलिखित जारी मूल आदेश से सृजित: /

Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise/ST / GST,

Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

घ अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name & Address of the Appellant & Respondent :-

Gujarat NRE Coke Ltd(Steel Division), Village, Lunava Taluka Bhachau, Kutch-370140

इस आदेश(अपील) से व्यथित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।/  
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है। /

Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) वर्गीकरण मूल्यांकन से सम्बन्धित सभी मामले सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर. के. पुरम, नई दिल्ली, को की जानी चाहिए। /

The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बताए गए अपीलों के अलावा शेष सभी अपीलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट)की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, द्वितीय तल, बहुमाली भवन असावा अहमदाबाद- 380016को की जानी चाहिए। /

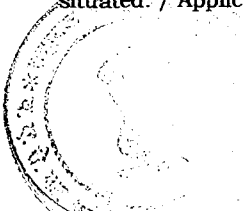
To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at 2<sup>nd</sup> Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016in case of appeals other than as mentioned in para- I(a) above

(iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील)नियमवाली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित किए गये प्रपत्र EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/-, Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of dutydemanded/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

(B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकेगी एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.



- (i) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दर्ज की गयी अपील, सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-7 में की जा सकेगी एवं उसके साथ आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रतियाँ संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और आयुक्त द्वारा सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर, को अपीलीय न्यायाधिकरण को आवेदन दर्ज करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। /  
The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in For ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.
- (ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सेस्टेट) के प्रति अपीलों के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एफ के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय प्राधिकरण में अपील करते समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर मांग के 10 प्रतिशत (10%), जब मांग एवं जुर्माना विवादित है, या जुर्माना, जब केवल जुर्माना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्त कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रुपए से अधिक न हो।  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "मांग किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है  
(i) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम  
(ii) सेनवेट जमा की ली गई गलत राशि  
(iii) सेनवेट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम  
- बशर्त यह कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं. 2) अधिनियम 2014 के आरंभ से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन स्थगन अर्जी एवं अपील को लागू नहीं होगा।  
For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores,  
Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :  
(i) amount determined under Section 11 D;  
(ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;  
(iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules  
- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.
- (C) **भारत सरकार कोपनरीक्षण आवेदन :**  
**Revision application to Government of India:**  
इस आदेश की पुनरीक्षणयाचिका निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथमपरंतक के अंतर्गतअवर सचिव, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन ईकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। /  
A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:
- (i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी माल को किसी कारखाने से भंडार गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह पारगमन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में माल के प्रसस्करण के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में। /  
In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse
- (ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल पर भरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छुट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। /  
In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.
- (iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। /  
In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.
- (iv) सुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो इयूटी क्रेडिट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (न. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तारीख अथवा समयाविधि पर या बाद में पारित किए गए हैं। /  
Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.
- (v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां प्रपत्र संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील)नियमावली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस आदेश के संप्रेषण के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के साक्ष्य के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। /  
The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.
- (vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए।  
जहां संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए।  
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.
- (D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिये। इस तथ्य के होते हुए भी की लिखा पढ़ी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filed to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.
- (E) यथासंशोधित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकिट लगा होना चाहिए। /  
One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs.6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.
- (F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्य विधि) नियमावली, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबन्धित मामलों को सम्मिलित करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। /  
Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.
- (G) उच्च अपीलीय प्राधिकारी को अपील दाखिल करने से संबंधित व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलार्थी विभागीय वेबसाइट [www.cbec.gov.in](http://www.cbec.gov.in) को देख सकते हैं। /  
For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website [www.cbec.gov.in](http://www.cbec.gov.in).



**:: ORDER-IN-APPEAL ::**

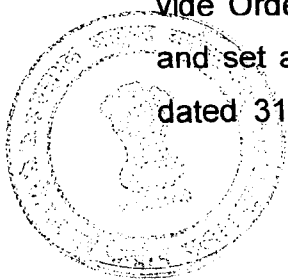
M/s. Gujarat NRE Coke Ltd. (Steel Division), Village Lunava, Tal Bhachau, Kutch (hereinafter referred to as 'Appellant') has filed the present appeal against Order-In-Original No. Refund order No. 02 dated 19.07.2018 (hereinafter referred to as 'the impugned order'), passed by the Assistant Commissioner, CGST Division-Anjar Bhachau. (hereinafter referred to as "the adjudicating authority").

2. The facts of the case in brief, are that during the course of audit, on verification of records, it was noticed that the said appellant has wrongly availed cenvat credit of service tax for the year 2008-09 amounting to Rs. 15,61,009/- and for the F.Y. 2009-10 amounting to Rs. 24,64,805/-. A SCN No. V.72/AR-Kharirohar/ADC/287/2013 dated 17.12.2013 was issued to the appellant for recovery of wrongly availed and utilized cenvat credit and same was confirmed vide order in original No. 06/JC/RKT/2014-15 dated 30.09.2014 and confirmed recovery of wrongly availed cenvat credit of service tax to the tune of Rs. 40,25,814/- and also imposed the penalty of Rs. 40,25,814 under Rule 15 of Cenvat Credit Rules, 2004. Being aggrieved the appellant filed an appeal before the appellate authority who vide OIA No. KCH-EXCUS-000-APP-021-15-16 dated 31.07.2015 rejected the appeal filed by the appellant and upheld the impugned order.

2.1 The appellant preferred appeal before the CESTAT, Ahmedabad against the said OIA and appellant also paid pre-deposit of Rs. 7,04,600/-. The CESTAT vide order No. A/13248/2017 dated 23.10.2017 set aside the impugned OIA and allow the appeal filed by the appellant. Accordingly, the appellant filed for refund of pre-deposit of Rs. 7,04,600/- on 09.07.2018. The adjudicating authority vide impugned refund order rejected refund on the basis of that the appellant is under liquidation process and NCLT has appointed Resolution Professional followed by Liquidator Shri Sumit Binani and subject refund claim was filed by the authorized signatory of the company instead of liquidator and same is in-admissible as per Section 33(5) of the insolvency and bankruptcy code, 2016.

3. Being aggrieved with the impugned order, the appellant preferred the present appeal, interalia, on the following grounds:

- (i) The impugned order passed by the lower adjudicating authority is illegal and should be quashed and set aside. Appellant submitted that CESTAT vide Order No. A/13248/2017 dated 23.10.2017 has allowed the appeal and set aside the Order-in-Appeal No. KCH-EXCUS-000-APP-021-15-16 dated 31.07.2015 issued by the Appellate Authority upholding OIO No.

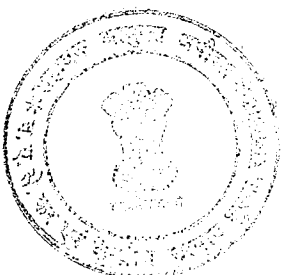


06/JC/BKS/2014-15 dated 30.09.2014 confirming recovery of Cenvat Credit to the tune of Rs. 40,25,814/-. Further, appellant had paid pre-paid deposit of Rs. 7,04,600/- as per Section 35F of the Central Excise Act, 1944.

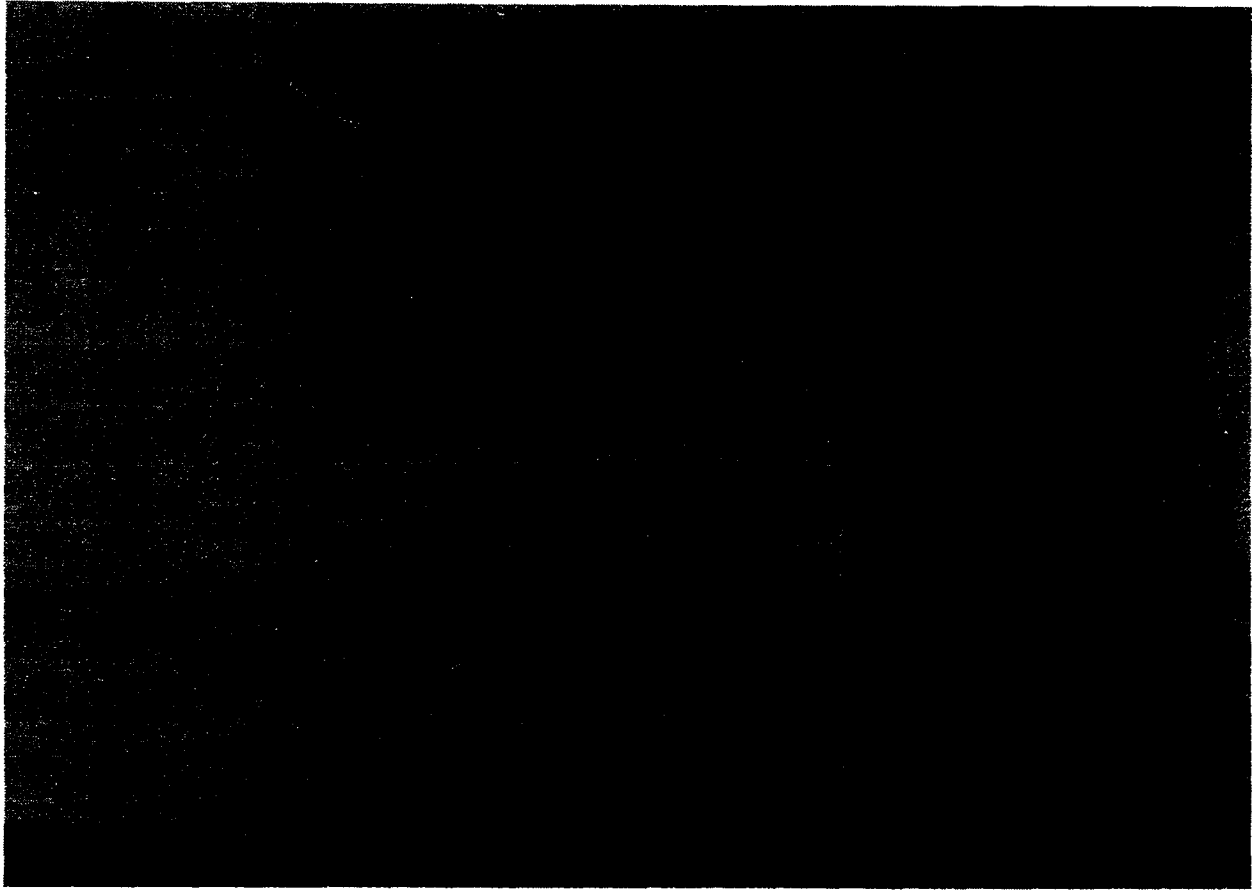
- (ii) CBEC vide circular No. F.No. 275/37/2K-CX.8A dated 02.01.2002 and circular No. 802/35/2004-CX dated 08.12.2004 and circular No. 984/08/2014-CX dated 16.08.2014 regarding return of deposit in the event the appellant succeeds in appeal or in matter is remanded for fresh adjudication, pre-deposit amount is required to be refunded based on simple letter with self attested copy of such order and copy of challans evidencing payment.
- (iii) Adjudicating authority rejected refund application on the ground mentioned at point no. 14 of refund order No. 02 which states that "according to Section 33(5), 34(1) and 34(2) of the insolvency and Bankruptcy Code 2016 the claim was required to be filed by the Liquidator with the prior approval of the Adjudicating Authority which hasn't happened. Instead the claim was filed by the Claimant without prior approval or intimation to the Liquidator or NCLT"
- (iv) Further, on receipt of the Refund Order, the appellant had submitted letter dated 01.08.2018 has authorized Mr. Amit Agarwal for filing refund of Pre deposit arising out of CESTAT Order; he also informed that he is not required to take any prior approval for the purpose of claiming such refund as Regulation 39 of the IBBI (Liquidation process) Regulations, 2016 empowers him to recover the monies due of the company under liquidation in a time bound manner.

4. Personal hearing in the matter was attended to by Shri Pradyot K Chatopadhyay, General Manager Commercial and Shri Amit Agarwal, AGM Commercial, who reiterated Grounds of Appeal and submitted that their appeal may be decided on the basis of above facts and legal position.

5. In light of the above facts, I find that the appeal first needs to be decided on the limitation of time. Ongoing through the facts of the case, I find that the appeal has been filed beyond 90 days of the receipt of the impugned order. The matter regarding delay of receipt of the impugned order was taken up with the Jurisdictional Central Goods & Service Tax Division, Anjar-Bhachau Division through email dated 15.10.2019 who reported that the impugned order was dispatched through registered post on dated 25.07.2018 as is evident from the receipt of postal department.



*Ar*



5.1 Further, appellant in the grounds of appeal at para no. 14.9 has mentioned that "However, on receipt of the Refund Order No. 02 dated 19.07.2018 issued on 23.07.2018 by the Assistant Commissioner, CGST & CEX Division, Anjar-Bhachau rejecting our refund application of Rs. 7,04,600/-, the appellant submitted the letter dated 01.08.2018, duly acknowledge by department on 03.08.2018 for restoration of Refund Application on the basis of letter dated 01.08.2018 issued by Mr. Sumit Binani, Liquidator of the appellant".

5.2 Further, in above referred letter dated 01.08.2018, the appellant has clearly mentioned that " we are in receipt of your letter F.No. V/35-09/Refud/2018-19/76 dated 23.07.2018 issued for refund order No. 02 dated 19.07.2018 whereby you have rejected our refund application on the ground as mentioned in point no. 14 of the said order". The copy of the above letter is reproduced herewith and same is evident that the appellant has received said OIO on or before 01.08.2018 and the present appeal has been filed on 11.02.2019 after lapse of 194 days from the receipt of impugned order.



EXHIBIT "E" O/C

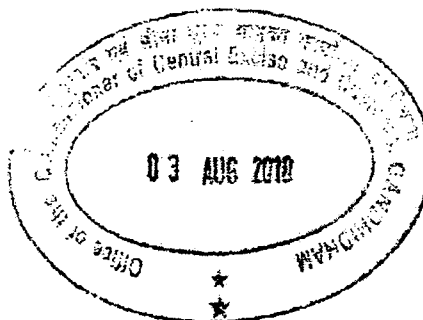


# GUJARAT NRE COKE LIMITED

REGISTERED OFFICE : 22, CAMAC STREET, BLOCK-C, 5TH FLOOR, KOLKATA - 700 016  
PHONE : +91-33-2299-1471 ; FAX : +91-33-2299-1470 ; E-MAIL : kolkata@gujaratnre.com  
CIN: L51909WB1906PLC040008 ; WEBSITE : www.gujaratnre.com

01<sup>ST</sup> August 2018

To  
The Assistant Commissioner  
Office of The Assistant Commissioner of CGST Division  
Anjar-Bhachau  
Central GST Bhavan, 1<sup>ST</sup> Floor, Room No 202  
Plot no 82, Sector-G6  
Opp. Ramliia Maidan  
Gandhidham  
Kutch



Ref: Your Refund Order no 02 dt. 19.07.2018

Sub: Request for restoration of Refund Application

Dear Sir

We are in receipt of your letter no F.NO. V/35-09/Refund/2018-19/76 dt. 23.07.2018 issued for refund order no 02 dt. 19.07.2018 whereby you have rejected our refund application on the ground as mentioned in point no 14 of the said order which states that "According to Section 33(5), 34(1) and 34(2) of the Insolvency and Bankruptcy Code 2016 the claim was required to be filed by the Liquidator with the prior approval of the Adjudicating Authority which hasn't happened. Instead the claim was filed by the claimant without prior approval or intimation to the Liquidator or NCLT, Kolkata which is the adjudicating authority in the matter. Therefore, I find that it is a clear violation of the Section 33(5), 34(1) and 34(2) of the Insolvency and Bankruptcy Code 2016 and thus the claim is in-admissible".

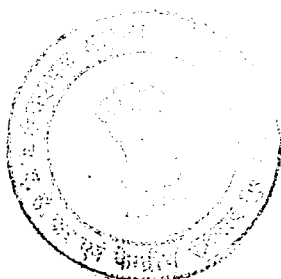
In this regard we would like to inform you that Liquidator (Mr. Sumit Binani) of the company has authorised Mr. Amit Agarwal (Pan no ARRP5098A) vide his letter dt. 01.08.2018 for filing refund of Pre deposit arising out of CESTAT Order no A/13248/2017 DT. 23.10.2017. He also informed that he is not required to take any prior approval for the purpose of claiming sum

FOR GUJARAT NRE COKE LTD.  
Amit Agarwal  
Authorised Signatory

Amit Agarwal  
26



Office : NRE HOUSE, 45-A, Saru Section Road, Jamnagar - 361 006 ; Phone : +91-290-2556793 / 1727 ; Fax : +91-290-2556716 ; E-mail : jamnagar@gujaratnre.com  
Works : Village : Dhanampur, Jam-Ikambhala - 361 305 ; Phone : +91-2935-224414240 ; Fax : +91-2933-226905 ; E-mail : ikambhala@gujaratnre.com



A

**GUJARAT NRE COKE LIMITED**

REGISTERED OFFICE : 22, CAMAC STREET, BLOCK-C, 5TH FLOOR, KOLKATA - 700 016  
PHONE : +91-33-2289-1471 ; FAX : +91-33-2289-1475 ; E-MAIL : kolkata@gujratnre.com  
CIN: L51809WB1986PLC040006 ; WEBSITE : www.gujratnre.com

refund as Regulation 39 of the IBBI (Liquidation process) Regulations, 2016 empowers him to recover the monies due of the company under liquidation in a time bound manner.

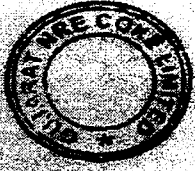
Incidentally we are enclosing herewith the copy of the original authority letter dt. 01.08.2018 issued by the Liquidator (Mr. Sumit Binani) of the company authorizing Mr. Amit Agarwal (Pan no ARPA5098A).

On the above ground we would request you to kindly admit our refund application and process the refund at earliest.

Thanking You

For Gujarat NRE Coke Ltd

*Amit Agarwal*  
Authorized Signatory



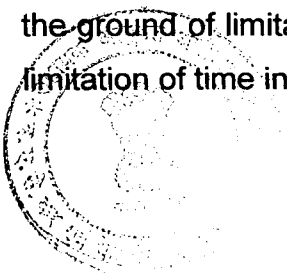
Enc:

1. Copy of Authority letter dt. 01.08.2018 issued by Liquidator.

27


*A*

06. The Commissioner (Appeals), as per proviso to Section 35(1) of the Central Excise Act, is vested with power to condone delay of maximum up to thirty days, over and above the normal period of sixty days, albeit on reasonable cause being shown. The present appeal is filed beyond stipulated time limit of 90 days provided under the statute. I find no reason to entertain such an appeal beyond power given to me. Therefore, I am of the considered view that such an appeal is liable to be dismissed on the ground of limitation alone. Accordingly, I reject the present appeal on the ground of limitation of time in filing appeal.



6. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।
7. The appeal filed by the appellant stands disposed off in above terms.

सत्यापित  
2/6/19  
संजय शेठ  
अधीक्षक (अपील्स)

  
(Gopi Nath) 2/7/19/19  
Commissioner (Appeals)

By R.P.A.D.

To,  
M/s. Gujarat NRE Coke Ltd. (Steel Division),  
Village Lunava, Tal Bhachau,  
Kutch

Copy to:

1. The Chief Commissioner, GST & Central Excise, Ahmedabad Zone, Ahmedabad.
2. The Commissioner, GST & Central Excise, Kutch Commissionerate, Gandhidham.
3. The Assistant Commissioner, CGST & Central Excise Division-, Anjar-Bhachau.
4. Guard File.

